

#### ग्रसाधारण

## **EXTRAORDINARY**

भाग II---खण्ड 3---उप-जण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 330]

नद्रै विल्लो, बृहस्पितवार, ज्लाद्रै 22, 1976/प्रापाद 31, 1898

No. 330]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 22, 1976/ASADHA 31, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Textiles)

#### ORDER

New Delhi, the 22nd July, 1976

- S.O. 487(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, namely:—
- 1. (1) This Order may be called the Cotton Textiles (Control) Second Amendment Order, 1976.
  - (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
- 2. In clause 24 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, after sub-clause (1), the following sub-clause shall be inserted, namely:—
  - "(1A) No manufacturer or dealer shall sell or offer to sell any non-controlled cloth at a price higher than the maximum retail price stamped on the cloth:

Provided that nothing in this sub-clause shall apply to non-controlled cloth sold for export under a valid export licence.".

[No. F. 6/12/76-Tex I]

R. RAMAKRISHNA, Jt. Secy.

# वाणिष्य मंत्रालय

## (वस्त्र विमाग)

### स्रादेश

# नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1976

का० बा० 487 (ब).—केन्द्रीय सरकार, ब्रावण्यक वस्तु ब्रिधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सूती वस्त (नियंत्रण) बादेश, 1948 में भीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित ब्राव्श करते हैं, ब्रयात् :—

- 1. (1) इस ब्रादेश का नाम सुती वस्त्र (नियंत्रण) द्वितीय संशोधन ब्रादेश, 1976 है।
- (2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।
- सूती वस्त्र (निनंत्रण) धादेश, 1948 ने खण्ड 24 में उपखण्ड (1) के पश्चात् निम्त-लिखित उपखण्ड ग्रन्त:स्थापित किया जाएगा, ग्रर्थात् :---
  - "(ाक) कोई विनिर्माता या व्यौहारी किसी भनियंत्रित कपड़े का, उस पर स्टाम्पित अधिकतम फुटकर कीमत से अधिक कीमत पर न तो विकय करेगा या न विकय करने की प्रस्थापना करेगा;
  - परन्तु इस उपखण्ड की कोई बात ऐसे म्रनियन्नित कपड़े को लागू नहीं होगी जिसका विकय वैध निर्यात मनुज्ञप्ति के मधीन निर्यात के लिए किया गया है।"

[सं॰ फा॰ 6/12/76—बस्त्र **I**]

**भा**र० रामकृष्ण, संयुक्त सन्तिय ।